Vedanta Limited
(Formerly known as Sesa Sterlite Ltd.)
Regd. Office: Sesa Ghor, 20 EDC Complex,
Patto, Panaji, Goa - 403001.
www.vedantalimited.com
CIN: L13209GA1965PLC000044

तत्काल प्रकाशन हेतु **सितम्बर 21, 2015**

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और वेदांता के मध्य 4000 आंगनवाड़ीयों के निर्माण हेतु समझौते पर हस्ताक्षर

दिल्ली, भारत। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (WCD) ने देश में 4000 आंगनवाड़ी के विकास और आधुनिकीकरण के लिए, आज वेदांता के साथ समझौते (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

डॉ राजेश कुमार, संयुक्त सचिव, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार और श्री मयंक अशर, प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, केयर्न इंडिया, ने इन अगली पीढ़ी की आंगनवाड़ीयों को विकसित करने हेतु नई दिल्ली में समझौते पर हस्ताक्षर किए।

इस साझेदारी के माध्यम से वेदांता, बच्चों को शिक्षित करने, कुपोषण को समाप्त करने और भारत में महिलाओं के बीच व्यावसायिक कौशल विकसित करके राष्ट्रीय स्तर पर समुदायों के उत्थान में मदद करना चाहता है।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के सचिव श्री वी, सोमासुन्दरन ने इस विकास के बारे में बोलते हुए कहा कि, हम आंगनवाड़ी के आधुनिकीकरण की योजना बना रहे हैं ताकि ये एक संबल के रूप में विकसित हो जो ना केवल गॉवों में पूरक पोषण और आधारभूत स्वास्थ्य संबंधी सुविधा प्रदान करेगा बल्कि एक ऐसे स्थान के रूप में काम करेगा जो ग्रामिण महिलाओं की सामुदायिक विकास में भागिदारी को बढ़ाने में मदद करे।

वेदांता के चेयरमैन श्री अनिल अग्रवाल ने अपने सन्देश में कहा कि, हम मॉडल आंगनवाड़ी स्थापित करने हेतु महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के साथ संबद्ध करके खुश हैं। इन आधुनिक आंगनवाड़ियों के माध्यम से वेदांता, भारत के बच्चों के लिए एक बेहतर माहौल प्रदान करने का प्रयास करेगा। स्वस्थ बच्चे और सशक्त महिलाएं गरीबी और कुपोषण के उन्मूलन करेंगे और एक समृद्ध राष्ट्र का निर्माण करेंगें। इस पहल में सरकार के साथ भागीदारी करना हमारे लिए सम्मान की बात है. विशेष रूप से तब, जब यह देश भर में, बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और महिलाओं को कौशल विकास प्रदान करने के लिए हमारे माननीय प्रधानमंत्री की दृष्टि के साथ संरेखित होता है।

वेदांता नयी पीढी के इन आंगनवाडी केन्द्रों के लिए 400 करोड रूपये से अधिक का संकल्प करती है। यह पहल भी माननीय प्रधानमंत्री स्वच्छ भारत, महिला कौशल विकास और डिजिटल भारत के दृष्टिकोण के साथ संरेखित है. विशेष रूप से अपने अपने प्रतिपादन और महिलाओं एंव बच्चों को प्रशिक्षण प्रदान करने की प्रणाली से।

अपनी तरह की पहली निजी एंव सरकारी भागीदारी में, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और वेदांता 400 पीढ़ी की आंगनवाड़ियों के निर्माण हेतु साथ आये हैं। जिनका निर्माण आँध्रप्रदेश, असम, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उड़ीसा, राजस्थान, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में होगा। ये मॉडल आंगनवाड़ीयां बहुकार्यात्मक क्षमताओं के साथ एक विशेष जिले में 25–30 के समूहों में बनाई जायेगी। आंगनवाड़ी के लिए भूमि ग्राम पंचायतों द्वारा प्रदान की जायेगी।

आंगनवाड़ी, (आईसीडीएस) एकीकृत बाल विकास योजना के तहत स्थापित सेवा वितरण इकाई है और मंत्रालय की प्रमुख योजना है। बच्चों को एक आधुनिक शिक्षण पर्यावरण और खेल क्षेत्र प्रदान करने के अलावा, ये केंद्र बहु कौशल के माध्यम से महिलाओं और युवा लड़कियों को सशक्त बनाने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेंगे।

अगली पीढ़ी की आंगनवाड़ियों के बारे में

वेदांता की अगली पीढ़ी आंगनवाड़ी, मंत्रालय के एकीकृत महिला एवं बाल विकास योजना की मौजूदा आंगनवाड़ी मॉडल के साथ जुड़ेगी। यह बच्चों के लिए ई–लर्निंग मॉड्यूल और महिलाओं के लिए कौशल संवर्धन कार्यक्रमों के माध्यम से सीखने के माहौल में वृद्धि करेगा। यह केंद्र टीकाकरण, लिंग संवेदीकरण और मातृत्व देखभाल हेतु भी एक केन्द्र बिन्दु के रूप में कार्य करेगा। अगली पीढ़ी आंगनवाड़ियों को एक साझा अंतराल के रूप में चलाने का प्रस्ताव है जिसमें 50 प्रतिशत समय बच्चों की शिक्षा के लिए समर्पित किया जाएगा और शेष समय महिलाओं के कौशल विकास में दिया जाएगा।

यूनिसेफ द्वारा संचालित एक अवधारणा 'सीखने के साधन के रूप में बिल्डिंग' जिसमे सीखने के सिद्धांत की सुविधा संरचना के भीतर सन्निहित होगी, को शामिल किया गया है ताकि इस मॉड्यूल को दिलचस्प बनाया जा सके और बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने में मदद मिल सके।

मॉडल आंगनवाड़ी को सौर ऊर्जा, ई–लर्निंग हेतु टीवी, स्वच्छ शौचालय और शुद्ध पीने के पानी की आपूर्ति से लैस किया जायेगा। लगभग 700 वर्ग फुट के क्षेत्र में फैला हुए, प्रत्येक (अगली पीढ़ी) आंगनवाड़ी की लागत करीबन 10 लाख रुपये आएगी। इन केन्द्रों का निर्माण अद्वितीय पूर्वनिर्मित, पर्यावरण के अनुकूल संरचनाओं का उपयोग करके वेदांता के द्वारा किया जाएगा। निर्माण के बाद नए आंगनवाड़ी केंद्र, संबंधित पंचायत / स्थानीय नगरीय निकाय को सौंप दिए जाएंगे। इन अगली पीढ़ी की आंगनवाड़ियों में वेदांता द्वारा चिकित्सा वैन भी मुहैय्या करवाई जायेगी ताकि बच्चों और महिलाओं के लिए प्राथमिक चिकित्सा सेवाओं की जरूरतों को पूरा किया जा सके।

वेदांता लिमिटेड के बारे में (पूर्व में सेसा स्टरलाइट लिमिटेड / सेसा गोवा लिमिटेड)

वेदांता लिमिटेड (Vedanta Ltd) एक विविध प्राकृतिक संसाधन कंपनी है, जिसके व्यापार में मुख्य रूप से खनिज और तेल एवं गैस के खोज और प्रसंस्करण शामिल है। कंपनी तेल एवं गैस, जस्ता, सीसा, चांदी, तांबा, लौह अयस्क, एल्यूमीनियम और वाणिज्यिक बिजली पैदा करती है और भारत के अलावा, दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया, आयरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, लाइबेरिया और श्रीलंका भर में भी इसकी उपस्थिति है।

वेदांता लिमिटेड, पूर्व में सेसा स्टरलाइट लिमिटेड / सेसा गोवा लिमिटेड, लंदन में सूचीबद्ध कंपनी वेदांत रिसोर्सेज पीएलसी की भारतीय सहायक कंपनी है। सतत विकास, वेदांत की मूल रणनीति है। साथ ही स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण पर प्रबल ध्यान और स्थानीय समुदायों के जीवनस्तर को उठाना भी कंपनी अपना उत्तरदायित्व समझती है। वेदांता लिमिटेड बंबई स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज भारत में सूचीबद्ध है, और न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध एडीआर है।

Vedanta Limited
(Formerly known as Sesa Sterlite Ltd.)
Regd. Office: Sesa Ghor, 20 EDC Complex,
Patto, Panaji, Goa - 403001.
www.vedantalimited.com
CIN: L13209GA1965PLC000044

अधिक जानकारी के लिए www-vedantalimited-co-in पर लॉग ऑन करें

जानकारी के लिए, कृपया संपर्क करें:

रोमा बलवानी, प्रेसीडेंट ग्रुप सस्टैनेबिलीटी, सीएसआर एंड कम्यूनिकेशन,
फोन:+91 22 66461000
gc@vedanta.co.in

खंडन

इस प्रेस विज्ञप्ति में "दूरंदेशी व्यक्तव्य" शामिल हैं – वह यह है कि व्यक्तव्य अतीत से सम्बंधित ना होकर भविष्य से सम्बंधित है। इस संदर्भ में, दूरंदेशी व्यक्तव्य में अक्सर हमारे अपेक्षित भविष्य के व्यापार और वित्तीय प्रदर्शन को संबोधित किया जाता है और अक्सर आशा करते हैं, प्रत्याशा करते हैं, प्रयोजन रखते हैं, योजना, भरोसा रखते है, चाहते हैं, चाहिए या होगा जैसे शब्द समाविष्ट होते हैं; हमारे लिए, अनिश्चितताएं लंदन मेटल एक्सचेंज सहित वित्तीय और धातुओं के बाजार के व्यवहार से, ब्याज और या विनिमय दरों और धातु की कीमतों में उतार–चढ़ावए कारोबार का अधिग्रहण के भविष्य के एकीकरण से और राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर के कई अन्य मामलों जिसमे राजनीतिक, आर्थिक, व्यापारिक, प्रतिस्पर्धात्मक या नियामक प्रकृति भी शामिल है, से उत्पन्न होती हैं; ये अनिश्चितताएं हमारी वास्तविक भविष्य के परिणाम और जो दूरंदेशी व्यक्तव्यं में व्यक्त किया गया है, के अलग होने का कारण हो सकते है।